

प्रेषक,

एल0एम0 पन्त,  
सचिव, वित्त,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त अधिशासी अधिकारी,  
नगर पंचायत, उत्तराखण्ड,  
(संलग्न सूची के अनुसार)।

वित्त अनुभाग-1

देहरादून :: दिनांक: 20 : जनवरी, 2009

विषय:- द्वितीय राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर लिये गये निर्णय के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु नगर पंचायतों को धनराशि का संक्रमण (चतुर्थ त्रैमास किश्त हेतु)।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि द्वितीय राज्य वित्त आयोग, उत्तराखण्ड की संस्तुतियों के आधार पर राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णयानुसार प्रदेश की 27 नगर पंचायतों को संलग्न विवरण के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 की तृतीय त्रैमासिक किश्त हेतु रू0 17166931.00 (रू0 एक करोड़ इकहत्तर लाख छियासठ हजार नौ सौ इक्तीस मात्र) की धनराशि संक्रमित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उपर्युक्त धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन संक्रमित की जा रही है:-

(1) 12वाँ वित्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2005-06, 2006-07 तथा 2007-08 में विभिन्न शासनादेशों द्वारा अवमुक्त धनराशि रू0 19238069.00 (रू0 एक करोड़ बयानबे लाख अड़तीस हजार उन्हत्तर मात्र) के उपयोगिता प्रमाण-पत्र प्रशासनिक विभाग से निर्धारित प्रारूप पर प्राप्त न होने के कारण वित्तीय वर्ष 2005-06, 2006-07 तथा 2007-08 में 12वाँ वित्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत अवमुक्त धनराशि को वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत समनुदेशन की चतुर्थ किश्त से समायोजित कर लिया गया है। निकायवार समायोजित धनराशि का विवरण संलग्न के प्रस्तर-4 में दिया गया है।

(2) संक्रमित की जा रही धनराशि को कोषागार से आहरित करने के लिये बिल सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा प्रति हस्ताक्षरित किया जायेगा। संक्रमित की जा रही धनराशि का उपयोग शासनादेश सं0-1674/XXVII/(1)/2006 दिनांक 22 नवम्बर, 2006 द्वारा निर्गत मार्गदर्शक सिद्धान्तों के अन्तर्गत किया जायेगा। इस धनराशि से किसी प्रकार का व्यावर्तन/समायोजन अनुमन्य नहीं होगा।

(3) नगर विकास विभाग संक्रमित धनराशि के नियमानुसार उपयोग की समीक्षा करेंगे तथा इसके समुचित उपयोग के लिये उत्तरदायी होंगे। कोषागार से आहरित धनराशि का बाउचर संख्या तथा दिनांक की सूचना महालेखाकार, उत्तराखण्ड एवं शासन के वित्त विभाग को भेजेंगे।





शासनादेश संख्या: 48 / XXVII (i) / 2009.

दिनांक: 20 जनवरी, 2009 का संलग्नक।

द्वितीय राज्य वित्त आयोग, उत्तराखण्ड द्वारा संस्तुत अनुदान के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु नगर पंचायतों को चतुर्थ त्रैमास के लिए संकमित धनराशि।

(धनराशि ₹0 में)

क0सं0	शहरी स्थानीय निकाय का नाम	राज्य वित्त आयोग द्वारा वर्ष 2008-09 हेतु चतुर्थ किरत हेतु देय सकमण	12वीं वित्त आयोग द्वारा वर्ष 2005-06, 2006-07, 2007-08 में कुल अवमुक्त धनराशि	समायोजन के बाद देय धनराशि (3-4)
1	2	3	4	5
नगर पंचायत				
1-	बड़कोट	3128000	1389570	1738430
2-	नन्दप्रयाग	471000	266260	204740
3-	कर्णप्रयाग	2893000	1328410	1564590
4-	गोचर	2449000	1165614	1283386
5-	मुनिकीरेती	1583000	813072	769928
6-	कीर्तिनगर	471000	304889	166111
7-	चम्बा	1025000	599471	425529
8-	डोईवाला	906000	557690	348310
9-	हरबर्टपुर	2163000	1069650	1093350
10-	कालादूगी	626000	400005	225995
11-	भीमताल	912000	503232	408768
12-	लालकुआ	1186000	625148	560852
13-	दिनेशपुर	1849000	941372	907628
14-	सुल्तानपुर	798000	508512	289488
15-	केलाखेड़ा	1297000	535617	761383
16-	शाकितागढ़	965000	495273	469727
17-	मुहुआ खेड़ा गंज	739000	420431	318569
18-	महुआडाबरा	940000	519405	420595
19-	द्वाराहाट	1551000	750686	800314
20-	डीडीहाट	892000	498666	393334
21-	धारचूला	2554000	1179811	1374189
22-	चम्पावत	939000	663148	275852
23-	लोहाघाट	1059000	587385	471615
24-	झबरेड़ा	735000	503364	231636
25-	लण्डोरा	1254000	819065	434935
26-	लक्सर	2188000	1317031	870969
27-	देवप्रयाग	832000	475292	356708
योग		36405000	19238069	17166931

(₹0 एक करोड़ इकहत्तर लाख छियासठ हजार नौ सौ इक्तीस मात्र)

(एल0एम0 पन्त)

सचिव, वित्त।